

---

# Shri Shanibadha Vimochana Shabarishvara Ashtakam

श्रीशनिबाधा विमोचन शबरिश्वराष्टकम्

## Document Information

---

Text title : Shri Shanibadha Vimochana Shabarishvara Ashtakam

File name : shabarIshvarAShTakam.itx

Category : deities\_misc, ayyappa, aShTaka

Location : doc\_deities\_misc

Proofread by : Mohan Chettoor

Latest update : October 8, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

October 8, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

---

# Shri Shanibadha Vimochana Shabarishvara Ashtakam

---

## श्रीशनिबाधा विमोचन शबरीश्वराष्टकम्

---




शनिबाधाविनाशाय घोरसन्तापडारिणि ।  
कानकालयवासाय भूतनाथाय ते नमः ॥ १ ॥  
दारिद्र्यजातात्रोगऽती-भुद्धिमान्धादि सङ्कटान् ।  
क्षिप्रं नाशाय ते देवा शनिबाधाविनाशक ॥ २ ॥  
भूतबाधामडा दुःखमध्यवर्तिनमीशमाम् ।  
पालय त्वं मलाबाहो सर्वदुःखविनाशक ॥ ३ ॥  
अवाय्यानि मलादुःखान्यमेयानि निरन्तरम् ।  
सम्भवन्ति दुरन्तानि तानि नाशय मे प्रभो ॥ ४ ॥  
मायामोडान्यनन्तानि सर्वाणि करुणाकर ।  
दूरीकुरु सदा भक्तलृटयानन्ददायक ॥ ५ ॥  
अनेकजन्म सम्भूतान्तापपापाङ्गुलेश्वर ।  
शूर्पाङ्कुरु कृपासिन्धोसिन्धुजाकान्त सन्तते ॥ ६ ॥  
उन्मत्तोत्भूत सन्तापकान् कृपान् मलेश्वर ।  
हस्तावलम्बं दत्वं मां रक्ष रक्ष शनैश्वर ॥ ७ ॥  
देहि मे बुद्धिवैशिष्ट्यं देहि मे नित्ययौवनम् ।  
देहि मे परमानन्दं देव देव जगत्पते ॥ ८ ॥  
एति श्रीशनिबाधा विमोचन शबरीश्वराष्टकं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Mohan Chettoor

---

pdf was typeset on October 8, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

